लोक सुनवाई का विवरण

विषयः— ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स बालाजी स्पंज एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम अल्दा, तहसील—तिल्दा, जिला रायपुर (छ.ग.) में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड परियोजना के तहत DRI Kilns Sponge Iron (1x600 TPD and 2x350 TPD) - 4,29,000 TPA, Induction Furnace With LRF & CCM Hot Billets/MS Billets/Ingots (8x20 T) – 5,28,000 TPA, Rolling Mills TMT Bars/Stuctural Steel/Wire Rod/Strips (85% Hot charging with Hot Billets and remaining 15% through RHF with Producer Gasifier as Fuel (3x500 TPD) - 4,95,000 TPA), Gasifier for Reheating Furnace – 3x1500 NM^3/Hr, Ferro alloy Unit – 2x9 MVA (Fesi – 14,000 TPA/FeMn – 40,000 TPA/ SiMn – 28,000 TPA / FeCr – 30,000 TPA/ Pig Iron – 48,000 TPA) Power Plant (WHRB based power plant – 1x18 MW and 2x10 MW – 38 MW, FBC based power plant – 1x18 MW), Brick Manufacturing Unit – 26,000 Brick/Day and Briquetting Plant – 200 Kg/Hr के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 25.04.2025 को आयोजित लोक सुनवाई का विवरण।

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स बालाजी स्पंज एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम अल्दा, तहसील—तिल्दा, जिला रायपुर (छ.ग.) में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड परियोजना के तहत DRI Kilns Sponge Iron (1x600 TPD and 2x350 TPD) - 4,29,000 TPA, Induction Furnace With LRF & CCM Hot Billets/MS Billets/Ingots (8x20 T) – 5,28,000 TPA, Rolling Mills TMT Bars/Stuctural Steel/Wire Rod/Strips (85% Hot charging with Hot Billets and remaining 15% through RHF with Producer Gasifier as Fuel (3x500 TPD) - 4,95,000 TPA), Gasifier for Reheating Furnace – 3x1500 NM^3/Hr, Ferro alloy Unit – 2x9 MVA (Fesi – 14,000 TPA/FeMn – 40,000 TPA/ SiMn – 28,000 TPA / FeCr – 30,000 TPA/ Pig Iron – 48,000 TPA) Power Plant (WHRB based power plant – 1x18 MW and 2x10 MW – 38 MW, FBC based power plant – 1x18 MW), Brick Manufacturing Unit – 26,000 Brick/Day and Briquetting Plant – 200 Kg/Hr के पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने बाबत् लोक सुनवाई कराने हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल में आवेदन किया गया है। दैनिक समाचार पत्र नई दुनिया तथा टाइम्स ऑफ इंडिया में दिनांक 25 मार्च 2025 को लोक सुनवाई की सूचना प्रकाशित करवाई जाकर दिनांक 25 अप्रैल 2025 को समय प्रातः 11:00 बजे से स्थल—खसरा नंबर 623, 620/1, 620/3, 620/4, 621/4, 621/1, 621/5, 621/2, 621/3, 628, 631 ग्राम अल्दा, तहसील तिल्दा, जिला रायपुर (छ.ग.) में लोक सुनवाई नियत की गई थी, जिसकी सूचना संबंधित ग्राम पंचायतों को प्रेषित की गई व तामिली भी ली गई।

प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् लोक सुनवाई दिनांक 25.04.2025 को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला रायपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

लोक सुनवाई के दौरान क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल रायपुर तथा गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं लगभग 550–600 जन सामान्य उपस्थित थे। लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण निम्नानुसार हैः–

1. लोक सुनवाई प्रातः 11:00 बजे से प्रारंभ हुई।
2. सर्वप्रथम उपस्थित लोगों की उपस्थिति दर्ज कराने की प्रक्रिया आरंभ की गई। जिन लोगों ने उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर किये हैं, उनकी सूची संलग्नक–01 अनुसार है, (पृष्ठ क्रमांक 1 से 4 तक)।
3. क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, रायपुर द्वारा प्रस्तावित परियोजना की लोक सुनवाई के प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुये अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी महोदय से लोक सुनवाई प्रारंभ करने का निवेदन किया गया।
4. अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, रायपुर द्वारा संबोधित किया गया कि आप सभी को नमस्कार। आज की जनसुनवाई में आप सभी का स्वागत है। आप सभी को एक–एक करके अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिलेगा। पहले मैं परियोजना प्रबंधक से आग्रह करूँगा कि विस्तार से परियोजना के संबंध में लोगों को जानकारी दें। तत्पश्चात आप एक–एक करके अपना नाम, अपने गांव का नाम बताते हुए अपने विचार माइक में रखिएगा।
5. परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री सुधीर सिंह, पायोनियर इनवायरो लेबोरटरीज एण्ड कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने परियोजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुये बताया कि सबसे पहले मैं एडीएम महोदय रायपुर, क्षेत्रीय अधिकारी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल श्री रबड़े जी, अन्य प्रशासनिक अधिकारी गण, पुलिस प्रशासन और उपस्थित जनता का इस जनसुनवाई में स्वागत करता हूँ। हमारे द्वारा ग्राम अल्दा, तहसील तिल्दा, जिला रायपुर में ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के तहत इंटीग्रेटेड स्टील उत्पादन इकाई की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें स्पंज आयरन 4,29,000 टन प्रति वर्ष इंडक्शन फर्नेस ईकाई 5,28,000 टन प्रति वर्ष, रोलिंग मिल उत्पादन इकाई 4,95,000 टन प्रति वर्ष, रिहीटिंग फर्नेस हेतु कोल गैसीफायर 3x1500 NM^3/Hr, फेरो एलॉय उत्पादन इकाई 18 एम.व्ही.ए., ब्रिकेटिंग इकाई 200 किलो/घंटा, डब्ल्यूएचआरबी आधारित उत्पादन इकाई 38 मेगावॉट, एफबीसी आधारित उत्पादन इकाई 18 मेगावॉट, ईंट निर्माण इकाई 26,000 नग/दिन की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। इसी के तहत यह पर्यावरणीय जनसुनवाई प्रस्तावित है। 10 किलोमीटर रेडियस स्थल में जो हम लोगों ने भूमि चिन्हित की है वह असिंचित कृषि भूमि है और लैंड यूज जो 10 किलोमीटर में मिला है हमको वह बस्तियॉ 4.8 प्रतिशत, औद्योगिक

क्षेत्र 2.9 प्रतिशत, जल राशि 5.4 प्रतिशत, एक फसलीय भूमि 66.3 प्रतिशत, दो फसलीय भूमि 7.4 प्रतिशत, वृक्षारोपण 1.4 प्रतिशत, स्क्रब युक्त भूमि जो है 5.3 प्रतिशत और स्क्रब मुक्त भूमि यानि जो पड़त भूमि है वह 2.3 प्रतिशत और खनन क्षेत्र 4.4 प्रतिशत पाया गया है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय उद्यान, प्राणी, अभयारण्य इत्यादि जो है 10 किलोमीटर क्षेत्र में नहीं पाया गया है। निकटतम गांव अल्दा है जिसकी दूरी 500 मीटर है हमारी परियोजना स्थल से अध्ययन क्षेत्र यानि 10 किलोमीटर रेडियस डिस्टेंस में 48 गांव पाए गए और निकटतम स्वास्थ्य केंद्र जो है प्राथमिक चिकित्सा केंद्र तोहरा है जो 3.2 कि.मी. की दूरी पर है। प्रस्तावित परियोजना हेतु भूमि जो है चिन्हित की गई है वह 30.592 हेक्टेयर है यानी लगभग 75 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है जो उद्योग प्रबंधन के आधिपत्य में है। संचालन के लिए जो जल की आवश्यकता पड़ेगी वह 2480 घन मीटर प्रतिदिन की आवश्यकता होगी जो आंशिक रूप से भूजल और आंशिक रूप से जो समोदा बैराज बनेगा उससे लिया जाना प्रस्तावित है। निर्माण के दौरान हमें जो नियोजन है टोटल रोजगार की आवश्यकता रहेगी वह 350 लोगों की होगी। निर्माण के दौरान 350 व्यक्तियों की आवश्यकता होगी और लगने के बाद में संचालन के दौरान 250 व्यक्तियों की आवश्यकता होगी और अप्रत्यक्ष रूप से 500 लोगों की आवश्कता होगी। हमारे द्वारा जो बेसलाइन डाटा एकत्रित किया गया है 01 मार्च 2024 से लेकर 31 मई 2024 को एकत्रित किया गया है, जिसमें अध्ययन काल में हमें वर्षा प्राप्त नहीं हुई। इसके अतिरिक्त अधिकतम तापमान जो है परियोजना स्थल 45.8° और न्यूनतम तापमान 17.1° पाया गया और जो बेसलाइन में जो हमको मिला है वह $PM_{2.5}$ 25.9 $\mu g/m^3$ से लेकर 37.3 $\mu g/m^3$, PM_{10} जो मिला है वह 43.4 $\mu g/m^3$ से 63.2 $\mu g/m^3$, SO_2 7.9 $\mu g/m^3$ से 14.1 $\mu g/m^3$, NOx 10.3 $\mu g/m^3$ से लेकर 19.5 $\mu g/m^3$ पाया गया है। इसके अतिरिक्त जो सतही जल और भूजल जो है सतही जल 02 स्थानों से और भूजल 08 स्थानों से एकत्रित किए गये, जो कि पीने योग्य पाए गए। परियोजना लगने के बाद में जो यहॉ जो रहेगा। वह हमने कम्प्यूटर से मानिटरिंग करके प्राप्त किया है इसमें जो अधिकतम PM_{10} 63.2 से बढ़कर 65.26 $\mu g/m^3$, SO_2 14.10 से बढ़कर 22.90 $\mu g/m^3$ इसके अतिरिक्त NOx 19.5 से बढ़कर 33.7 $\mu g/m^3$ और CO 1165 से बढ़कर 1168.76 $\mu g/m^3$ पाया जायेगा। इसके जो राष्ट्रीय मानक है PM_{10} के 100 $\mu g/m^3$, SO_2 और NOx के 80–80 $\mu g/m^3$ और COx के 2000 $\mu g/m^3$ पाए गए हैं। पर्यावरण प्रबंधन के बारे में बताना चाहूॅगा हमारे द्वारा स्पंज आयरन और डब्ल्यूएचआरबी आधारित उत्पादन इकाई में ईएसपी की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है, जिसकी दक्षता 30 mg/m^3 रखी जाएगी। इंडक्शन फर्नेस में बैग फिल्टर की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। सबमर्ज आर्क फर्नेस यानि फेरो एलॉय उत्पादन इकाई में भी बैग फिल्टर की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त पावर प्लांट में भी ईएसपी की स्थापना

किया जाना प्रस्तावित है सभी वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण 30 mg/Nm^3 के अनुरूप रखे जाएंगे जो कि मानकों के स्वरूप है। जल प्रदूषण नियंत्रण के बारे में मैं बताना चाहूँगा जल प्रदूषण में डीआरआई किल्न और फेरो एलॉय उत्पादन इकाई इंडक्शन फर्नेस उत्पादन इकाई में क्लोज कूलिंग सर्किट की स्थापना की जाएगी। जिससे दूषित जल का उत्सर्जन नहीं होगा। इसके अतिरिक्त जल की खपत को कम करने के लिए एयर कूल्ड कंडैन्सर की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। विद्युत उत्पादन इकाई में जो दूषित जल निकलेगा उसको ईटीपी द्वारा उपचारित कर ऐश कंडीशनिंग और डस्ट सपरेशन और ईंट निर्माण में उपयोग किया जाना प्रस्तावित है, बाहर निस्सारण नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त जो घरेलू दूषित जल निकलेगा। उसको सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा उपचारित कर सिंचाई में उपयोग किया जाएगा। परियोजना स्थल के बाहर किसी भी प्रकार का दूषित जल का निस्सारण नहीं किया जाएगा।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, रायपुर द्वारा संबोधित किया गया कि धन्यवाद, परियोजना से संबंधित जानकारी देने के लिए। अब मैं यहॉ जितने उपस्थित लोग हैं। उनसे आग्रह करूँगा कि वे एक–एक करके माइक के पास आएं, अपना नाम और अपने गांव का नाम बताते हुए अपने विचार व्यक्त करें।

1. एक व्यक्ति ने कहा कि आदरणीय हमारे गांव के बुजुर्ग गण हमारी देवियां, हमारी बहनें, इनको इस माइक के माध्यम से सूचित किया जाता है कि एक–एक करके आधा–आधा मिनट में मेरा नाम यह है, पति का नाम यह है और मैं इस कंपनी का विरोध करता हूँ या इसका समर्थन करता हूँ जो भी है। हमारे गांव वाले बोलेंगे बाहर वाले एक भी नहीं बोलेगा। तुरंत इस माइक में दीदी लोग पहले आएं, दीदी लोग एक–एक करके आए नाम बोले और मैं विरोध करता हूँ।

2. श्री झंगलू जांगड़े, सरपंच ग्राम पंचायत अल्दा ने कहा कि मेरे गांव में इस फैक्ट्री को हम नहीं खोलने देंगे।

3. श्री विवेकानंद वर्मा, ग्राम तुलसी मानपुर ने कहा कि मैं इस स्पंज आयरन का विरोध करता हूँ नहीं खुलना चाहिए।

4. श्री उमाकांत वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि फैक्ट्री यहॉ खुलेगी नहीं और फैक्ट्री खुलेगी तो हमारी लाश पर खुलेगी।

5. श्रीमती कल्पना वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी बिल्कुल नहीं खुलनी चाहिए क्योंकि यह हमारा विकास नहीं करेगा। इसका बहुत नुकसान भी है। कृपया आप अपना भाषण बंद करें और यहॉ से जाइए हमें आपकी कोई बात नहीं सुननी है।

6. श्री मोहित वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं चाहता हूॅ यह कंपनी यहॉ न खुले क्योंकि हम लोग इसका विरोध ग्राम सभा में तीन बार कर चुके हैं। इसके बाद भी कुछ गद्दारों के कारण यह नौबत हमको देखना पड़ रहा है इतनी धूप में खड़े होना पड़ रहा है इस कंपनी का पुरजोर विरोध करता हूॅ।

7. श्रीमती रामप्यारी ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

8. श्रीमती कमलाबाई निर्मलकर ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना है।

9. श्रीमती ऋतु वर्मा ने कहा कि मैं कंपनी का विरोध करती हूॅ मुझे कंपनी नहीं चाहिए यह विकास नहीं विनाश है।

10. श्रीमती ममता वर्मा पति श्री राकेश वर्मा, सरपंच, ग्राम पंचायत तुलसी ने कहा कि मैं यह कहना चाहती हूॅ कि यह कंपनी खुलना ही नहीं चाहिए किसी भी हालत में विरोध।

11. श्री नागेश वर्मा पिता श्री खूबचंद वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहां कि इस कंपनी का विरोध करता हूॅ, अगर यह कंपनी खुलेगी तो मैं अपनी लाश गिराऊंगा यहॉ पर जहॉ से कंपनी खुलेगा वहॉ तक।

12. एक महिला ने कहा कि यह कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

13. श्रीमती अन्नपूर्णा वर्मा पति श्री खूबचंद वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि इस कंपनी का विरोध करती हूॅ यह कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

14. श्रीमती तेजिया पति श्री रमेश, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी खुलना नहीं चाहिए। यहॉ कंपनी खुलेगा तो हम अल्दा वालों को लानत रहेगा। यहॉ कंपनी खुलना ही नहीं चाहिए।

15. श्रीमती मालती ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

16. श्री कामदेव सोनवानी उपसरपंच प्रतिनिधि ग्राम बोईरडीह ने कहा कि मैं कंपनी का पूर्णतः पुरजोर ढंग से विरोध करता हूं।

17. एक महिला ने कहा कि मैं इस कंपनी संचालक का विरोध करती हूॅ और यह जो भाषण दे रहे हैं। उसे हम सुनने के लिए नहीं आए हैं। हम लोग जनता अपने दुख में सुनाने आये हैं।

18. ग्राम अल्दा निवासी एक महिला ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

19. श्री राकेश कुमार वर्मा, ग्राम तुलसी मानपुर ने कहा कि मैं इस प्लांट का भरपूर विरोध करता हूॅ हमें चावल खाना है न कि हमें कोयला खाना है। इनका भरपूर विरोध करता हूॅ।

20. श्री संदीप कुमार वर्मा, ग्राम तुलसी मानपुर ने कहा कि मैं इस फैक्ट्री का पुरजोर विरोध करता हूॅ और हमें इस फैक्ट्री को नहीं खुलने देना है और इसे खोलने की कोशिश होगी तो हम लोग मरने से नहीं डरेंगे और जरूरत पड़ेगी तो मारने से भी नहीं डरेंगे लेकिन इस फैक्ट्री को हम नहीं खुलने देंगे।

21. ग्राम अल्दा निवासी एक महिला ने कहा कि यहॉ फैक्ट्री खुलना नहीं चाहिए।

22. श्री ताकेश्वर साहू पिता श्री टेकराम साहू, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का पूर्णतः रूप से विरोध करता हूॅ।

23. ग्राम अल्दा निवासी एक महिला ने कहा कि हमें कंपनी नहीं चाहिए हमें धान बोना है मिट्टी नहीं खाना है।

24. एक व्यक्ति ने कहा कि सर मेरा एक रिक्वेस्ट है सभी के हाथों में आवेदन है यहॉ पर एक आदमी आवेदन लेने के लिए आ जाएं और एक–एक की पावती हमें मिलनी चाहिए।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा संबोधित किया गया कि आप दो कॉपी में दे दीजिए पावती दे देंगे।

25. श्रीमती स्वाति वर्मा, सदस्य, जिला पंचायत रायपुर ने कहा कि मैं आप अधिकारियों से पूछना चाहती हूॅ। यह जनसुनवाई है और आप यहॉ देख सकते हैं कि कोई भी जनता आपके पक्ष में नहीं है। यह कैसी जनसुनवाई है। मैं यहॉ पिछले आधे पौन 1 घंटे से सबके बीच में हूॅ। यहॉ देखकर यह समझ में आया कि जनता को पता ही नहीं है जनसुनवाई है पर्यावरण का जनसुनवाई है। अभी मैंने देखा आप बहुत सारी चीजें बोले, पर्यावरण विभाग से अधिकारी बहुत कुछ बोले यह सारी चीजें आपके पास डॉक्यूमेंट है। आप अल्दा में फैक्ट्री लगा रहे हैं और आप अल्दा के लोगों को अब बता रहे हैं कि यह यहॉ पर टेस्टिंग हुआ है। यहॉ पानी आप गांव वालों को पता है क्या यहॉ पर मिट्टी की टेस्टिंग वायु सभी चीज की टेस्टिंग हुई है यहॉ पर पूरा मापदंड लिखा हुआ है कितना 22 पेज का इनका पूरा मापदंड है क्या आपको पता है। सर आप बताइए आप 22 पेज का पूरा एक डॉक्यूमेंट बनाए हैं और इस चीज को आप गांव के लोगों के बीच में नहीं गए हैं और आप बोलेंगे कि आज जनसुनवाई में आपकी जनता सहयोग करेगी तो यह गलत है तो आपको यह चीज समझना होगा

जनसुनवाई बिना जनता के सहमत से मुमकिन नहीं है। पहले आप इनके फेवर में बोलिए और बताइए तब यह आपका कुछ करेंगे आप लोगों ने जो किया है वह गलत है इस चीज को समझें और मैं इस गांव और आसपास की जनता के साथ में हूँ उनका जो निर्णय है वही मेरा निर्णय है यह इसके पक्ष में नहीं है तो मैं भी उनके पक्ष में नहीं हूँ विरोध करती हूँ मैं।

26. श्रीमती मालती वर्मा पति श्री भरत लाल वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मुझे कंपनी नहीं चाहिए।

27. श्री महेंद्र वर्मा पिता श्री संतराम वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं यहॉ फैक्ट्री लगने के विरोध में हूँ। यहॉ पर जलवायु प्रदूषण अधिक होगा, हम रहने लायक नहीं रहेंगे।

28. श्री प्रकाश सगरवंशी, जनपद सदस्य ने कहा कि यह जो प्लांट खुल रहा है इसका मैं घोर विरोध करता हूँ और सभी से निवेदन करता हूँ आप सभी मिलजुल कर विरोध करें।

29. श्रीमती संगीता मोहित राम वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं अपने जन्म भूमि और कर्म भूमि को बिगड़ने नहीं दे सकती यहॉ के पर्यावरण को बिगाड़ने नहीं दे सकती इसलिए मैं बहुत–बहुत विरोध करती हूँ।

30. श्रीमती सुनीता वर्मा पति श्री घनश्याम वर्मा ने कहा कि मैं इस कंपनी का भरपूर विरोध करती हूँ।

31. श्रीमती संतोषी वर्मा पति श्री महेश कुमार वर्मा ने कहा कि मैं इस कंपनी का भरपूर विरोध करती हूँ साहब आप लोग अपना बोरिया बिस्तर बांध लो और चले जाओ।

32. श्रीमती बसंती वर्मा पति श्री संजय वर्मा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलने देंगे।

33. श्रीमती मीना वर्मा पति श्री सनत कुमार वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलने देंगे। दोबारा नजर यहॉ नहीं आना।

34. श्री अजय कुमार वर्मा, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना जिला अध्यक्ष रायपुर ग्रामीण ने कहा कि मैं इस कंपनी का जोरशोर से विरोध करता हूँ यह कंपनी छत्तीसगढ़ में और अल्दा गांव में नहीं खुलना चाहिए, क्योंकि इसके आने से प्रदूषण फैलेगा, एक्सीडेंट होगा, बाल बच्चों की पढ़ाई लिखाई, फसल, जल का स्तर, प्रदूषण सभी चीज नष्ट हो जाएगा तो गांव अल्दा के निवासियों की ओर से मैं इस कंपनी का पूरा विरोध करता हूँ। इस कंपनी के खुलने से बाहरी आदमी आएंगे गांव की बहन, बेटी, बहू पर गलत नजर रखेंगे, इसका मैं भरपूर विरोध करता हूँ, कंपनी नहीं खुलना चाहिए अगर यह

कंपनी खुलेगी तो भविष्य में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ग्राम अल्दा के साथ उग्र आंदोलन करेगी इसकी जवाबदारी शासन और प्रशासन की रहेगी।

35. श्री सुरेश कुमार ध्रुव ग्राम बोईरझिटी ने कहा कि जितने हम गांव वाले हैं कंपनी के विरोध में पूरा खड़े हैं।

36. श्रीमती पुष्पा पति श्री खिलावन वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

37. श्री लोकेश कुमार साहू, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए मैं कंपनी का फूल विरोध करता हूॅ।

38. श्री सुरेंद्र कुमार वर्मा ग्राम बोईरझिटी ने कहा कि कंपनी का घोर विरोध करता है कंपनी हमें नहीं चाहिए।

39. श्री टेकराम साहू ने कहा कि इस गांव का एक मजदूर हूॅ और यहॉ कंपनी खुलने का पूरा–पूरा विरोध करता हूॅ कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

40. श्रीमती सुखवंतीन विश्वकर्मा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

41. श्रीमती नेहा वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

42. श्री योगेश साहू, जिला अध्यक्ष, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी रायपुर ग्रामीण ने कहा कि मैं इस कंपनी खोलने का पुरजोर विरोध करता हूॅ क्योंकि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा गया है। लेकिन आज छत्तीसगढ़ सिलतरा और खास कर तिल्दा एरिया में इतनी फैक्ट्रियां खुलवा रहे हैं हमारे धन को कृषि भूमि को छिनने का प्रयास कर रहे हैं। केवल कटोरा हमारे हाथ में देकर कंपनी के मालिक प्रयास कर रहे हैं। इसका पुरजोर विरोध करते हैं और हम लोग लोहा खाकर नहीं जी सकते, हमें धान चाहिए किसानी भूईया चाहिए, हम पूरजोर विरोध करते हैं कंपनी खुलने का।

43. श्रीमती हीरा ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलने देंगे।

44. श्री ढेरदास वर्मा पिता डोमर सिंह वर्मा ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी खुलने का भरपूर विरोध करता हूॅ।

45. श्री अजय देवांगन, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना खरोरा खण्ड़ अध्यक्ष ने कहा कि मैं इस कंपनी का पूरा विरोध करता हूॅ। आज तक से जितनी भी कंपनियां खुली है, कोई विकास नहीं किए हैं, पूरा शोषण किए हैं, इस कंपनी का पुरजोर विरोध करता हूॅ। यह कंपनी कभी नहीं खुलना चाहिए यहॉ।

46. श्री सोनू साहू, रायपुर ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने कहा कि इस कंपनी का जबरदस्त विरोध करता हूॅ और जबरदस्त विरोध इस कारण कर रहा हूॅ कि इतना टेंपरेचर बड़ा है और हर गांव में जलस्तर नीचे सुख गया है। इस कंपनी का पुरजोर विरोध करता हूॅ।

47. श्री सनत कुमार वर्मा पिता श्री राम वर्मा ग्राम अल्दा ने कहा कि यह विरोध करता हूॅ मैं कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

48. श्री मुकेश कुमार वर्मा, जिला सचिव, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने कहा कि मैं यहॉ आए प्रशासन से पूछना चाहता हूॅ कि यहॉ मानव के लिए विकास किया जा रहा है कि विकास के लिए मानव है। अगर यह संपूर्ण जनता जो है जितने जनता यहॉ एकत्रित हुए हैं सभी के सभी विरोध कर रहे हैं तो यह जनसुनवाई किस चीज के लिए कर रहे हैं। प्रशासन यह हमें पहले जानकारी क्यों नहीं दिया गया है और बिना जानकारी के बिना मुनादी के यहॉ पर जनसुनवाई कर रहे हैं और यहॉ स्पंज आयरन खोलने का हमारा छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना पूर्ण रूप से इसका विरोध करते हैं।

49. श्री रामकुमार वर्मा पिता आजू राम वर्मा, ग्राम तुलसी मानपुर ने कहा कि यह जनसुनवाई आप जो कर रहे हैं पूरा वीडियो रिकॉर्डिंग हो रहा है, जब यह फैक्ट्री खुलती है, तो सभी का प्रत्येक वीडियो रिकॉर्डिंग लाइव होना चाहिए। एडिटिंग नहीं होना चाहिए मैं इस फैक्ट्री का भरपूर विरोध करता हूॅ।

50. श्रीमती कीर्तनी वर्मा जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी महिला महामंत्री ग्रामीण रायपुर ने कहा कि यह गांव अल्दा में कंपनी खुल रही है वह बिना एनओसी लिए बिना आसपास के ग्राम पंचायत के बिना अनुमति के बिना यह गांव में कैसे कंपनी खुलने दे रहे हैं मैं इस कंपनी का खुलकर विरोध करती हूॅ, यह कंपनी खुलना ही नहीं चाहिए यह कंपनी खोलने से हमारा कोई फायदा नहीं है। हमको हमारा खेत खलिहान चाहिए कंपनी बिल्कुल नहीं चाहिए।

51. श्री गजेश्वर वर्मा पिता श्री मानसिंह वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि अभी अधिकारियों से सुना कि 70 एकड़ में यह फैक्ट्री खुली रही है, 75 एकड़ में तो 75 एकड़ में तो कंपनी का विकास हो जाएगा। लेकिन आसपास के जो 7000 एकड़ जो जमीन है वह बंजर हो जाएगी। इसकी जवाबदारी कौन लेगा अधिकारी गण बड़ी–बड़ी बात करते हैं पर्यावरण विकास के अभी हमारे गांव में फसल पकाने के लिए बहुत समस्या हो रही है। अभी इतना मात्रा में पानी मिल रहा है फैक्ट्री को तो इन सब चीजों को हम पूरा कंपनी का विरोध करते हैं, नहीं खोलना चाहिए। खुलेगा तब हम देख लेंगे लेकिन खुलने नहीं देना है।

52. श्री तेजराम देवांगन, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना तिल्दा खण्ड़ अध्यक्ष ने कहा कि इस कंपनी का जबरदस्त विरोध करता हूॅ।

53. श्री रमेश कुमार वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि इस कंपनी को खुलने नहीं देंगे इस कंपनी का भरपूर विरोध करता हूॅ।

54. श्री टापसिंग वर्मा पिता श्री हीराराम वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस स्पंज आयरन का विरोध करता हूॅ यहॉ फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए।

55. श्रीमती कीर्ति वर्मा पिता स्वर्गीय गणेश राम वर्मा ने कहा कि मैं इस कंपनी का पुरजोर विरोध करती हूॅ। यह शासन तंत्र जो आए हैं। वे अपना बोरिया बिस्तर उठाए और जिस कदम आए हैं वैसे ही उल्टे लौट जाएं।

56. कविता वर्मा पिता श्री घनश्याम वर्मा ने कहा कि मैं इस कंपनी का पूरा विरोध करती हूॅ।

57. श्रीमती देवकी पति श्री कैलाश साहू, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का विरोध करती हूॅ।

58. श्री नीलम कुमार वर्मा पिता श्री सनत कुमार वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का खुलकर विरोध करता हूॅ। यहॉ कंपनी कभी नहीं खुले।

59. श्री लखन लाल वर्मा पिता श्री बुधराम वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी खुलने नहीं देंगे और कंपनी खुलेगा, मगर हम लोग जान दे देंगे मगर कंपनी खुलने नहीं देंगे।

60. श्री परसराम सेन पिता श्री बिसाली सेन ने कहा कि महोदय से मेरा यही निवेदन है कि जनसुनवाई के लिए आए हैं तो समय देना पड़ेगा जितना जनता आए हैं उसका आखिरी तक उनके मन की बात सुनना पड़ेगा। मैं इस कंपनी के लिए विरोध कर रहा हूॅ, अगर खुल जाएगा जान दे देंगे लाश देने के लिए पहले मैं आऊंगा। क्योंकि मैं एक छोटा कृषक हूॅ जानता हूॅ कि इतना नौकरी देंगे वैसे देंगे कोई कुछ नहीं देता है। अंत में सब फॉल्स होता है, इसलिए इस कंपनी के लिए विरोध कर रहा हूॅ।

61. श्री धनेश कुमार साहू पिता श्री धनसाय साहू, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी का विरोध करता हूॅ।

62. श्री भरत लाल वर्मा पिता स्वर्गीय श्री मोतीलाल वर्मा ने कहा कि मैं इस कंपनी खुलने का भरपूर विरोध करता हूॅ।

63. श्रीमती नेव कुमारी वर्मा पति श्री नरेंद्र वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि इस गांव में कंपनी नहीं खुलना चाहिए हम लोग अधिकारी की बात सुनने नहीं आए हैं, अधिकारी हमारी बात सुनेंगे। एक बार और विकास के लिए बोल रहे हैं इस गांव में कंपनी खुलना नहीं चाहिए।

64. श्रीमती सुनीता यादव, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

65. श्रीमती ईश्वरी, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ फैक्ट्री नहीं खुलने देना चाहिए हम विरोध करते हैं।

66. श्री चुम्मन लाल, पिता श्री भूखन लाल ने कहा कि जब कंपनी नहीं खुलना चाहिए ऐसी जब बात उठ रही है तो बात यहीं पर खत्म है, बात खत्म अपना बोरिया बिस्तर लेकर जाना चाहिए।

67. श्रीमती सियांकली, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलेगी।

68. श्रीमती टेमिन बाई, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं चाहिए।

69. ग्राम अल्दा निवासी एक महिला ने कहा कि कंपनी नहीं खुलने दूंगी।

70. श्रीमती गीता, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलेगा।

71. श्रीमती केजा, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

72. श्री भूपेश कुमार वर्मा, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना युवा सदस्य ने कहा कि मैं इस प्लांट का घोर विरोध करता हूँ।

73. श्री परमानंद सेन, पिता श्री डिगाराम सेन ग्राम अल्दा ने कहा कि यह कंपनी खुलना ही नहीं चाहिए।

74. श्री देवेंद्र वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़िया युवा क्रांति सेना ने कहा कि इस फैक्ट्री के खुलने से हमारे हवा में पानी में कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, डाइऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड ऐसे लोहे के पार्टिकल पूरे जाएंगे, हमारे यहॉ के सब आदमी बीमार पड़ जाएंगे। यह फैक्ट्री यहॉ बिल्कुल नहीं खुलना चाहिए, मैं फैक्ट्री खुलने का घोर विरोध करता हूँ अगर यह फैक्ट्री खुलेगी तो हम लोग अपनी जान की बाजी लगा देंगे। लेकिन इस फैक्ट्री को नहीं खुलने देंगे।

75. श्री टुक चंद वर्मा पिता श्री डेरहा राम वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस फैक्ट्री का घोर विरोध करता हूँ।

76. डॉ अजय यादव, प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने कहा कि आज के इस जनसुनवाई के माध्यम से मैं इस सरकार को लानत भेजता हूॅ और लानत इसलिए भेजता हूॅ कि एक तरफ घाटी में कश्मीर घाटी में आतंकवादी लोग इस देश के लोगों का जीव ले रहे हैं बस्तर में नक्सली लोग इस देश के लोगों की जान ले रहे हैं और इस छत्तीसगढ़ में यहॉ के उद्योगपति यहॉ के लोगों की जान ले रहे हैं रोज एक दो हत्या हो रही है इसे दुर्घटना बताया जाता है। लेकिन इस फैक्ट्री के अंदर में जो बदमाशी है जो अनियमितता है जो व्यवस्था नहीं है। इसके कारण हमारे बाल बच्चे मर रहे हैं जो हमें छत्तीसगढ़ियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है। अगर यह फैक्ट्री खुलेगी तो सरकार का जोरदार विरोध होगा, आने वाले समय में सत्ता तो क्या इस पानी नसीब होगी इस बात के साथ में बता देना चाहता हूॅ यहॉ खड़े जितने भाई हैं जितनी बहने हैं यह प्रदेश की सरकार यहॉ के हसदेव जंगल को उजाड़ दिए जा रहे हैं बस्तर एनएमडीसी के बहाने में पूरा बस्तर को उजाड़ रहे हैं करना क्या चाहते हैं, आप लोग करना क्या चाहते हैं क्या इस प्रदेश को बर्बादी में लाकर छोड़ देंगे क्या यहॉ उद्योग खड़े करके हमारा जीवन खत्म कर देंगे मैं छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना का प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते इस उद्योग का पुरजोर विरोध करता हूॅ।

77. श्री बिरजू राम वर्मा, पिता स्व. श्री सुखीराम वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का भरपूर विरोध करता हूॅ।

78. श्री भगवत प्रसाद वर्मा, पिता श्री रामजी वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि यह फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए।

79. श्री डगेश्वर वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि यह कंपनी नहीं खुलेगा।

80. श्री हितेश साहू, छत्तीसगढ़िया युवा क्रांति सेना रायपुर जिला संगठन मंत्री होने के नाते मैं इस कंपनी का पूरजोर विरोध करता हूॅ क्योंकि इस कंपनी से जो धुंआ निकलेगा वह हमारे छत्तीसगढ़िया भाई बहनों हमारे गांव के भाई बहनें जब सांस लेंगे तब वह शरीर में जाएगा और उससे उसकी मृत्यु हो जाएगी इस नाम से मैं फैक्ट्री का पुरजोर विरोध करता हूॅ।

81. श्री राम गुलाल, पूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत अल्दा ने कहा कि फैक्ट्री खुलने नहीं देंगे मैं इसका विरोध करता हूॅ।

82. श्री बंटी वर्मा पिता श्री भुनेश्वर वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का विरोध करता हूॅ।

83. श्री नेतराम वर्मा पिता श्री रामप्रसाद वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस फैक्ट्री का पूरा विरोध करता हूँ कि यहाँ फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए।

84. श्रीमती रुक्मणी ग्राम अल्दा ने कहा कि सर यहाँ एट प्रजेंट में आप देख रहे हैं वर्तमान में रायगढ़ ही एक ऐसा उदाहरण है जहाँ पर जिंदल प्लांट की वजह से कितनी यहाँ पर वातावरण प्रदूषित हुआ है हम यहाँ रायपुर से सिर्फ इसी चीज का विरोध करने के लिए आए हैं कि हमारे गांव में यह कंपनी नहीं खुलनी चाहिए हमें स्वच्छ वातावरण चाहिए न कि प्रदूषण प्लीज जैसे भी है आप अपना बोरिया बिस्तर लेकर जाइए लेकिन हम इसके विरोध में यहाँ पर खड़े होने के लिए यहीं डटे रहेंगे।

85. श्रीमती ईश्वरी ध्रुव पति श्री राधेश्याम ध्रुव, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहाँ फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए मैं पूरा विरोध करती हूँ कंपनी नहीं खुलना चाहिए जैसे आए हैं कंपनी वाले वैसे ही बोरिया बिस्तर बांधकर अपना चले जाएं।

86. श्रीमती कमला वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

87. श्रीमती कोंकरा वर्मा ग्राम अल्दा ने कहा कि इस गांव में कंपनी न खुले अपने गांव जाओ। सभी भाग जाएं।

88. श्रीमती पिंकी यादव पति श्री धनेश्वर यादव ने कहा कि यहाँ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

89. श्रीमती रितु यादव पति श्री खिलेश्वर यादव ने कहा कि यहाँ कंपनी नहीं खुलना चाहिए मैं कंपनी का विरोध करती हूँ।

90. श्री गोपाल ध्रुव पिता श्री शोभित ध्रुव, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना है मतलब नहीं खुलना है।

91. श्री परस यादव, ग्राम अल्दा ने कहा कि हम एक साथ इस कंपनी खुलने के नाम से फुल विरोध करते हैं कि नहीं खुलना चाहिए।

92. श्रीमती कमला बाई पति श्री रमउ वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहाँ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

93. श्री घनश्याम वर्मा पिता श्री जनक वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का जोरदार विरोध करता हूँ और हमारे गांव में चार बात किसी को बोल दें तो वह तुरंत चले जाते हैं आप लोग जानिए कैसे सह रहे हैं।

94. श्रीमती राधिका ध्रुव ग्राम अल्दा ने कहा कि धरती मेरी माता है, धरती मेरे पिता है मैं धरती में कंपनी खुलने नहीं दूंगी।

95. श्रीमती दुकलहीन, पति श्री पुनउ, ग्राम अल्दा ने कहा कि पूरा विरोध है कंपनी नहीं खुलने देंगे।

96. श्रीमती गीता वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं कंपनी खुलने का विरोध करती हूॅं।

97. श्रीमती मंजू वर्मा, पति श्री टिकेश्वर वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का विरोध करती हूॅ इसमें कंपनी नहीं खुलने दूंगी।

98. श्रीमती दुकलहीन ने कहा कि मैं इस कंपनी का उपयोग करती हूं।

99. श्रीमती लीलौतीन साहू, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं यह कंपनी नहीं खुलने दूंगी।

100. श्रीमती कविता, पति श्री अशोक, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलने दूंगी।

101. श्री रिकेश कुमार साहू, सरपंच प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत बटभेरा ने कहा कि मैं इस कंपनी का विरोध करता हूॅ सर सर यहॉ पर इतनी सारी कंपनियॉ है जो फाल्स हम लोगों को प्रलोभन देते हैं कि विकास करेंगे कहकर इसलिए हम लोग इसका विरोध कर रहे हैं सर कि हम लोगों को कंपनी नहीं चाहिए हम लोगों को शुद्ध वातावरण चाहिए मैं किसान हूॅ हम लोगों को खेती करना है और शुद्ध वातावरण में रहना है हम इस कंपनी का विरोध करते हैं।

102. श्रीमती सुशीला वर्मा, पति श्री तानसिंग, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का बहुत–बहुत विरोध करती हूॅं।

103. श्री पुराणिक दास कुर्रे, पिता श्री नंदकुमार कुर्रे, ग्राम बोईरझिटी ने कहा कि मैं इस कंपनी का विरोध करता हूॅं।

104. श्रीमती भुवनेश्वरी ध्रुव, पति श्री भरतलाल ध्रुव, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का बहुत–बहुत विरोध करती हूॅं।

105. श्रीमती किरण वर्मा, पति श्री भुनेश्वर वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का विरोध करती हूॅ नहीं खुलना चाहिए।

106. श्रीमती प्रभा ध्रुव ने कहा कि मैं कंपनी का विरोध करती हूॅ नहीं खुलना चाहिए।

107. एक महिला ने कहा कि हम लोग धान चावल खाएंगे नहीं खुलने देंगे।

108. श्रीमती दुरपति, पति श्री मेघनाथ, ग्राम अल्दा ने कहा कि यह कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

109. श्री भानु यादव, पिता श्री हीराराम, ग्राम अल्दा ने कहा कि इस गांव में कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

110. श्री शनि देव ध्रुव, पिता दुलार सिंह ध्रुव, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

111. श्री दीपक कुमार सोनी, पिता स्व. श्री पवन कुमार सोनी, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस कंपनी का विरोध करता हूॅ यह कंपनी नहीं खुलेगी अगर खुलेगी तो हमारी जान जाएगी।

112. श्री कांता प्रसाद वर्मा, पिता श्री गैंदराम वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं छोटा सा किसान हूॅ यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए मतलब नहीं खुलना चाहिए।

113. श्री सुनील कुमार वर्मा, पिता श्री अशोक कुमार वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं कंपनी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूॅ।

114. श्रीमती देवकी चौहान ने कहा कि मैं एक छोटी सी किसान हूॅ और मैं इस कंपनी का विरोध करती हूॅ।

115. श्रीमती नंदिनी, पति श्री तिलक राम वर्मा ग्राम अल्दा ने कहां कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

116. श्रीमती कुसुम चौहान ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

117. श्रीमती राधा ध्रुव, ग्राम अल्दा ने कहा कि छोटी सी किसान हूॅ।

118. श्रीमती दुरपति पति श्री टीकाराम, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

119. श्रीमती सोहदरी बाई पति श्री पुरुषोत्तम राम ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

120. श्रीमती ममता वर्मा पति श्री इशकुमार वर्मा ने कहा कि मैं इस कंपनी का घोर विरोध करती हूॅ।

121. श्रीमती उषा, पति श्री कामता प्रसाद ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

122. श्रीमती देवंतीन ध्रुव, पति पुसऊ, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

123. श्रीमती रामकली, पति श्री होरी लाल ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

124. श्री संतोष कुमार, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस फैक्ट्री का तन मन से विरोध करता हूँ।

125. श्रीमती कांति वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलेंगे।

126. श्रीमती गणेशिया, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलेंगे।

127. श्री रतन वर्मा, पिता श्री अशोक वर्मा ने कहा कि इस कंपनी का में फुल विरोध करता हॅू नहीं खुलेगा यह कंपनी नहीं खुलेगा।

128. श्रीमती चन्द्रकला ध्रुव, ग्राम तुलसी मानपुर ने कहा कि यह कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

129. श्रीमती शकुन, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए। यहॉ से भागो।

130. एक महिला ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

131. श्रीमती जाम बाई, पति परमानंद, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलेगा नहीं बनेगा।

132. श्री भागचंद वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि हमारे गांव में कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

133. श्रीमती मणि वर्मा, पति श्री पंचराम वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

134. श्रीमती रेवती वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मैं इस फैक्ट्री का पूर्ण रूप से विरोध करती हॅू क्योंकि अंग्रेज आए यहॉ व्यापार करने के लिए और क्या किये गुलाम बनाकर चले गए वैसे ही यहॉ कंपनी वाले आएंगे और हमें काम देंगे कहकर पूरा हमें गुलाम बनाकर रख देंगे हम दो वक्त की रोटी खाते हैं हम बहुत खुश हैं।

135. श्रीमती देवकी सेन ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

136. श्री अमित कुमार वर्मा, पिता श्री मोहित राम वर्मा ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ पर फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए।

137. श्रीमती अनूपा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

138. श्रीमती चंद्रिका वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि मेरे गांव में कंपनी नहीं खुलेगा।

139. श्रीमती डिगेश्वरी ध्रुव ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

140. श्रीमती परेमिन ने कहा कि नहीं खुलना चाहिए कंपनी।

141. श्रीमती भगवंतीन साहू, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

142. श्रीमती कल्याणी ने कहा कि कंपनी न खुले मेरे दो खेत में पानी नहीं जा पाएगा।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायपुर द्वारा संबोधित किया गया कि अब अंतिम 5 मिनट है संक्षेप में अपनी–अपनी बातें आप रखें।

143. श्रीमती रामौतीन ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

144. श्रीमती रुक्मणी ने कहा कि कंपनी न खुले यहॉ।

145. श्रीमती देवकी, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

146. ग्राम अल्दा निवासी एक महिला ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

147. श्रीमती केसर यादव ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

148. श्रीमती कुमारी यादव, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

149. श्रीमती राजकुमारी यादव, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं चाहिए

150. श्रीमती फुलेश्वरी ने कहा कि कंपनी न खुले।

151. श्रीमती धनेश्वरी यादव, पति श्री देव लाल यादव, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

152. श्रीमती भगवंतीन, ग्राम अल्दा ने कहा कि यहॉ कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

153. श्रीमती श्याम कुमारी वर्मा, पति श्री परदेसी, ग्राम अल्दा ने कहा कि नहीं खुलना चाहिए।

154. श्रीमती जागृति ध्रुव, पति श्री दीपक ध्रुव, ग्राम अल्दा ने कहा कि हम लोग चांवल दाल खाने वाले हैं धूल मिट्टी खाने वाले नहीं है कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

155. श्री रमेश कुमार वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलने देंगे।

156. श्री अवध राम साहू, पिता श्री डोमार सिंह साहू ने कहा कि मैं कंपनी का फुल विरोध करता हूँ।

157. श्रीमती विमला वर्मा ने कहा कि हमारे गांव में कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

158. श्री पोषण लाल वर्मा, पिता श्री भूखन लाल वर्मा ने कहा कि मैं कंपनी का विरोध करता हूँ।

159. श्रीमती डिगा ध्रुव ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

160. श्री पंकज वर्मा ने कहा कि मेरे गांव में कंपनी नहीं चाहिए।

161. श्री पंचराम वर्मा पिता स्व. श्री रामचंद्र वर्मा ने कहा कि इस कंपनी का भरपूर मैं विरोध करता हूँ।

162. श्री धुखू राम यदु, पिता श्री थानुराम यदु, ग्राम खैरझिटी ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

163. श्रीमती परेमिन, पति श्री कामता, ग्राम अल्दा ने कहा कि यह कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

164. श्रीमती गौरी बाई, पति श्री राजेश साहू, ग्राम अल्दा ने कहा कि कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

165. श्रीमती शारदा वर्मा, पति श्री पुनीत राम, ग्राम अल्दा ने कहा कि नहीं खुलना चाहिए कंपनी।

166. श्री संजय वर्मा, पिता श्री नेम सिंह वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि सभी प्लांट को घुमा हूँ सभी के जनसुनवाई भी सुना हूँ यह केवल दिखावा है लेकिन एक बात समझ लें कि आप लोग जितना भी सपोर्ट में रहो हम लोग हमेशा आप लोगों के विरोध में खड़े रहेंगे लड़ेंगे अपने लिए हमेशा हर बार लड़ेंगे और जितना ज्यादा आप लोग आगे आप आएंगे उतना ही हम लोग भी आगे रहेंगे बस विरोध है हर बार विरोध है बार–बार विरोध है कंपनी नहीं चाहिए हम किसान के बच्चे हैं किसानी करके जी लेंगे आपको भी है तो किसानी करो किसानी के लिए लिए हो खेती को किसानी करो आप लोगों को हम फैक्ट्री लगाने नहीं देंगे।

167. श्री महेश कुमार साहू, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना तिल्दा खड़ अध्यक्ष ने कहा कि इस कंपनी का पूरा विरोध करता हूँ और महोदय से निवेदन करता हूँ यह शत प्रतिशत विरोध है जो इसी के अनुरूप ही कार्य होना चाहिए जन भावना का कद्र करें।

168. श्री लेखराम वर्मा, पिता श्री वीर सिंह वर्मा, ग्राम अल्दा ने कहा कि इस कंपनी के मैं बिल्कुल विरोध में हूॅ और कंपनी यहॉ नहीं बनने देंगे।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, रायपुर द्वारा संबोधित किया गया कि आप सभी ने अपने–अपने विचार रखें इसके अतिरिक्त जिनके भी आवेदन होंगे, वहॉ दे देंगे।

169. श्री चैन कुमार ध्रुव, सरपंच प्रतिनिधि ने कहा कि इस फैक्ट्री का बिल्कुल विरोध है।

170. श्री पोषण वर्मा, ग्राम बोईरझिटी ने कहा कि मैं इस कंपनी का पुरजोर विरोध करता हूॅ।

171. श्री चंद्रशेखर कश्यप, ग्राम सिलपट्टी युवा क्रांति सेना अध्यक्ष तिल्दा खण्ड़ ने कहा कि मैं इस कंपनी का खुलकर विरोध करता हूॅ क्योंकि छत्तीसगढ़ में जितनी भी कंपनी खुला है आप लोग देखते होंगे आदमी का विकास नहीं होता है प्राइवेट आदमी का विकास होता है इसलिए इस कंपनी का खुलकर विरोध करता हूॅ।

172. एक व्यक्ति ने कहा कि मैं जवान और किसान दोनों हूॅ मेरी 22 साल नौकरी हो गई भारत के सीमा की रक्षा करते हुए मैं अपने गांव की रक्षा नहीं कर पा रहा हूॅ तो मुझे बहुत धिक्कार है और मैं अपने गांव की रक्षा करके रहूंगा। मैं बिल्कुल विरोध करता हूॅ और कंपनी वाले यदि सोच रहे होंगे कि उनके पास बहुत सारा है पैसा है सब कुछ है तो उनकी जमीन को खरीदूंगा मैं इतना हिम्मत रखता हूॅ। आदरणीय एक छोटा सा रिक्वेस्ट और है सर अभी तक आप सुने हैं कि एक भी आदमी दिखता नहीं है कि खुले करके सभी ने नकारा है इसे मद्देनजर रखते हुए आप जो भी है मैं रिकॉर्डिंग कर रहा हूॅ आप लोग देख लीजिए और बन सके आपके प्रभार में है तो अभी जो भी है मंजूरी उसके लिए नामंजूरी दो आप लोग भी दो तो बहुत आभार होगा पूरी जनता आपके आभारी रहेंगे।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, रायपुर द्वारा संबोधित किया गया कि आपके जो बात होते हैं, जनसुनवाई में आपके जो विचार होते हैं, रिकॉर्डिंग करके भेजा जाता है, आपने जो भी अपने विचार रखे हैं, वह भारत सरकार को भेज देंगे आपके रिकॉर्डिंग की कॉपी भी आप चाहेंगे तो आपको मिल जाएगा।

लोक सुनवाई के दौरान कतिपय 3–4 व्यक्तियों द्वारा माईक के समक्ष पूरे समय खड़े रहने के कारण अपने विचार, सुझाव व्यक्त नहीं कर पाए, जिन्होंने बाद में आवेदन प्रस्तुत किया, जिसे स्वीकार किया गया।

173. एक व्यक्ति ने कहा कि सर आप लोगों के विचार हम लोग खुले मन से सुने पूरे गांव का विचार सुनकर ही जाना पड़ेगा और रही पूरे गांव वाले का विचार सुना करके तो नहीं आवेदन भी देंगे, विचार भी देंगे।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, रायपुर द्वारा संबोधित किया गया कि आप लोग सभी आवेदन दे दिए हैं सभी आवेदन ले लें और किसी को भी आवेदन देना है तो बाद में भी वे आवेदन दे सकते हैं। आपने अपने–अपने विचार व्यक्त किये, आप सभी के विचार रिकॉर्डिंग करके रख लिया, है आप सभी का धन्यवाद।

174. एक व्यक्ति ने कहा कि सर इस रिकॉर्डिंग की कॉपी हमें अभी मिलेगा ?

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायपुर द्वारा संबोधित किया गया कि हॉ मिल जाएगा अभी नहीं आप ऑफिस आकर ले लेंगे, टाईम लगता है। आप सभी का धन्यवाद। मैं आज के जनसुनवाई के समाप्ति की घोषणा करता हूँ। लोक सुनवाई का कार्यक्रम दोपहर 12:10 बजे समाप्त हुआ। लोक सुनवाई के पश्चात् प्राप्त कुल आवेदन पत्रों की संख्या **935** है, जिसमें से **756** आवेदन संयंत्र लगाने के विरोध में तथा **179** आवेदन संयंत्र लगाने की सहमति के संबंध में प्राप्त हुए हैं।

लोक सुनवाई के दौरान कुछ ग्रामीण अपने विचार, सुझाव व्यक्त नहीं कर पाए, जिन्होंने लोक सुनवाई के पश्चात् आवेदन प्रस्तुत किया उसमें – श्री झंगलू जांगड़े, सरपंच, ग्राम पंचायत अल्दा, वि.ख. तिल्दा, रायपुर, श्री रूपेन्द्र कुमार वर्मा, सरपंच, ग्राम पंचायत टोहड़ा, वि.ख. तिल्दा, रायपुर, श्री नरसिंह वर्मा, सरपंच, ग्राम पंचायत सरारीडीह, वि.ख. तिल्दा, रायपुर, आदि तथा श्रीमती भारती निर्मलकर, ग्राम कुंदरू, वि.ख. तिल्दा, रायपुर एवं अन्य ग्रामीणों के द्वारा **कुल 179 आवेदन** संयंत्र लगाने के संबंध में सहमति पत्र प्रस्तुत किया गया। सम्पूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी की गई।

प्रकाश कुमार रबड़े
क्षेत्रीय अधिकारी,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल,
रायपुर

देवेन्द्र पटेल,
अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी,
रायपुर